मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के रसायन विज्ञान के प्रोफेसर तौकीर अहमद प्रतिष्ठित सीआरएसआई ब्रोंज मेडल-2025 से सम्मानित

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर तौकीर अहमद को 3-5 जुलाई, 2025 को आईआईटी गांधीनगर में आयोजित 35वें सीआरएसआई-एसीएस राष्ट्रीय रसायन विज्ञान संगोष्ठी और एसीएस व्याख्यान में वर्ष 2025 के लिए प्रतिष्ठित केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीआरएसआई) कांस्य पदक से सम्मानित किया गया है। प्रोफेसर अहमद को हाइड्रोजन ऊर्जा और नैनोकैटेलिसिस पर रसायन विज्ञान में उनके प्रभावशाली शोध योगदान के लिए सीआरएसआई पदक से सम्मानित किया गया। सीआरएसआई पदक सीआरएसआई द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है और रसायन विज्ञान में उन उत्कृष्ट योगदानों के लिए दिए जाने वाले सर्वोच्च पुरस्कारों में से एक है जिनका अग्रणी शोध और उच्च-गुणवत्ता वाले प्रकाशनों के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

प्रो. अहमद ने संगोष्ठी में "डिजाइनिंग ऑफ़ फंक्शनल हेटेरोस्ट्रक्चर्स फॉर स्केलेबल H2 प्रोडक्शन यूज़िंग ओवरआल कटैलिसीस" शीर्षक से CRSI कांस्य पदक व्याख्यान दिया।

प्रो. तौकीर अहमद, रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (FRSC) के फेलो, IIT रुड़की से स्नातक और IIT दिल्ली से पीएचडी हैं। उनकी शोध रुचि जलवायु-स्थायी वातावरण में अनुप्रयोगों के लिए हरित हाइड्रोजन ऊर्जा, CO2RR और NRR हेतु कार्यात्मक विषम संरचनाओं का डिज़ाइन तैयार करने में है। प्रो. अहमद ने 16 पीएचडी का पर्यवेक्षण किया है, 228 शोध पत्र और तीन पुस्तकें प्रकाशित की हैं, जिनके शोध साइटेशन लगभग 10,000, एच-इंडेक्स 59 और आई10-इंडेक्स 186 हैं। प्रो. अहमद को एमआरएसआई मेडल, एसएमसी कांस्य पदक, आईएससीएएस मेडल, इंस्पायर्ड टीचर्स प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया अवार्ड, डीएसटी-डीएफजी अवार्ड, आईआईटी दिल्ली एलुमनाई फैकल्टी अवार्ड, विशिष्ट वैज्ञानिक अवार्ड, डॉ. एस.एस. देशपांडे राष्ट्रीय पुरस्कार, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार, शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार भी प्राप्त है और उन्हें भारत की राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के सदस्य के रूप में चुना गया है। प्रोफेसर अहमद को 2020 से लगातार पांच वर्षों तक विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में स्थान मिला है, जिसमें स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा करियर की सबसे लंबी सूची भी शामिल है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ और रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने प्रो. अहमद को बधाई दी और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने वाली उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रो. अहमद ने कहा कि उन्हें मिली इस उपलब्धि से वह सम्मानित और उत्साहित हैं, खासकर इसलिए क्योंकि यह हरित हाइड्रोजन ऊर्जा के उत्पादन पर उनके द्वारा किए गए असाधारण शोध कार्य का प्रमाण है। प्रो. अहमद ने पदक पुरस्कार के लिए कड़ी मेहनत करने वाले छात्रों, सहयोगियों, मार्गदर्शकों, मित्रों की टीम और परिवार के सदस्यों को धन्यवाद दिया।

भारतीय रासायनिक अनुसंधान सोसायटी (सीआरएसआई) की स्थापना 1999 में देश की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ समारोह के एक भाग के रूप में की गई थी। सीआरएसआई का मुख्य उद्देश्य रसायन विज्ञान और रासायनिक विज्ञान में प्रतिभाओं को पहचानना, प्रोत्साहित करना और बढ़ावा देना तथा रसायन विज्ञान की सभी शाखाओं में रासायनिक शिक्षा और अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार करना है। सीआरएसआई पुरस्कारों, अनुदानों और पदकों के माध्यम से रासायनिक अनुसंधान में उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करता है। सोसायटी का रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, अमेरिकन केमिकल सोसाइटी, एशियन, जर्मन और फ्रेंच केमिकल सोसाइटीज के साथ सक्रिय सहयोग है।

प्रोफ़ेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी